No ११११-ब

आषा ध्यान मञ्जरी

Author स्वामी अग्रदास

१४

Subject स्तोत्रम्

भाषा ध्यानमञ्जरी

११११

पत्राणि २८

सं० १९९१ के

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१ ॐ श्रीरामायनमः ॥ श्रीसरस्तुतियानमः ॥ ॐ सुमिरो श्री
रघुवीरधीररघुवंशविभूषण शरणपालहेसुखरासिहृद
नम्रकृपासागरदूषण १ सुंदरश्यामउदारबालकरसारंग
धारी हियधरिप्रभुकोध्यान विदुषजनआनंदका
री २ अवधिपुरीनिजधामपरमअतिसुंदरराजै ३
वौः हाटकमणिमयसदननगनकीकांतिविराजै
वैरिहारअतिचारुसुहावनिचित्रिनसोहै चंपतार

मंदारकलपतरुवेषनमोहौ अवअनवनविश्राम
चित्रकारंजासोहै बनजसुतनकीपांतिंगोषव
मगजैोहै ५ तोरणकेतुपताकाध्वजातहोंवि
मलसुहाए ५ मानोरचुवरहितकरणग्राइ
चिनुवननवविकाशवीथीवगारवजारतनष
चितोतिडजासारहत नपावैतिमरासहजही

शैलप्रकाशाः देविपुरीछविजरीमध्यकेस्रटकनर
२ घ्यरवि ह्रषहिवरषहिकुसुमविवधननिरषिपु
२ रीछवि ८ श्रीरघुवरनमसनरीपुरीवरवरकिदा
यनः धर्मसीलनरनाविसवैप्रनुसजसपरायन
९ भावनरघुवरचविचमिलितजितनितसौजा
मिति स्वरग्रसकोकिलनादहृपजनुदमक
२

नहामिनी तिनजुवतिनिकोजागवशणिकापैकहि
माःवैः सविसभदानगसतादेखिकैमनललचावै ११
सवधपुरीनकीअवधियहै मुतिसमतिवरानीध्या
नधरैसुखकारतिनामउचारनअवहारणी १२ क
तिकातिवकुतनकलेसकहतउपमाजुगनीजन म
नउक्तिसवअलपअवधिसमअवधिनलिवन ।

वापीकुपतडागारतननमोपानकनारा २हिमअमलजलपू
२ रिविगामाकल्लारगुञ्जाहि सेतलनरुकीछंहाविहंग
3 गकुंजनतमनजाराविकुंभ्रोरम्भ्रारामलगतउपवनजव
हेगा तिन्हपांकेकीकपोतकीरकोकिलकारन ह
रथमितिन्हकीदेह्मा नोमन्नुसुजनसउचारन ६ ।
रंगिमरह्लैलगिजारउारफलफुलनजारी पथिकन २

ननपदेनमनुमहुयहूनमनकुपलंधेपदमेमहूय
हूनमपसमी १७ निकटहिसरानुमलिनधरै अ
ज्जलधाराअवसागरकोनरणविदितयहपात
उहमा १८ हरनपापत्रयतापजननचिंततप
लदेनी सुब्रतीजनत्राहिसुदटवैकुंठनसे
ना १९ तीरनकीजीरलगातमलपामसुहाता

४ मनकृमोमकोत्यागभ्रमसगएसेवनमाग २० कौ।
शुभंसननपानयन्यवन्यवउआभासननकै २१ नी
रपरमगंजिरवलननगाहिरेसुरगाजै नहानीरवकु
मज्जनकमलभ्रतिसुंदरराजै २२ कमलकमल
केमध्यमिलिजवरगुंजारै मनकृमुनिमनवंद
पुनिप्राबउचारै २३ त्रिविधिवयाहारीविहा ४

खहतनिसदिनसुखहारि सीतलमंदसुगंधपवनसुविनि
नदकषी २६ बोलेतचककाकुंडनीरमनमोदवटवै
मानकूपरमसुदेसनिवशमिलिगंधवगवै २८ काव
ननहांसुसोकसोकतिहिदेषतन्नाजै विविधि
न्नातिकेहलुसवैवृंदारकराजै २९ सोवापव१
ञनुपकाहाकहूंसोन्नाउनकी फलकुंसमन

५ केकुंडनिरखिसुधिरहितिनतिनकी २७ कलपवृ
5 छकेनिकटनहाराकथाममतिनजुटन कंचनम
यसवतुमिवराजैग्रतिग्रदुत २८ स्वर्णवदिका
मध्यनहाराकारतनसिंहासन सिंहासनकेमध्य
तैहांटैकैपारम्रमतिपद्मसुभासन २९ ताकेमध्य
तटैसकर्णिकासुंदरराजै ग्रतिग्रद्भुतनहातेज ५

वह्निसगाउपमाम्राजै २० नःध्रिमाह्निलरामनी
लद्ग्रीवसोजा ग्रंथिवह्नस्पश्रंवोदरान्नद्यन
ननकोसोजा २१ भ्रिपरदिवाकिसाटजरि
नमंजुलमणिमोती निरखिस्पचिरलान्नजि
ननिकरदिनकरकीज्योती २४ कुंडललनि
नकपोलजुगान्नमसपरमसदेसा २२ मेव

८ कंकुटिन्त्सुचारुतसरोरुहनयनसुहारो मुख
6 पंकजकोनिकटमनकुम्भलिम्बवलीविराजैं
जयंमुजा नाघगावरमसूदेसवदनललिव
कनलाजे २५ सीरचीसलिलाटें टमान
मुद्राकूटधारी खुंदालिकउदारम्रपिकछ
विसोजितभारी २६ धामललितमणिमा ६

लहातमुक्ताछविराजै २६ श्रीवत्ससुचितकंठकौ
स्तकमणीभ्राजै २७ नगपोषविचलदेषामछायाण
नुविराजै उन्नयस्रुजाश्राजाननगानजटिकंकाण
राजै २८ चुनिरतनजडावमुद्रकाअ्थीकसवारी
सोभितअङ्गुनरूपअरुणकीछविअनुहारी १
नुषनविवीधअनीकपीतपटसोभितभारी ल

६ स्तनकेरचकुंभभ्रमहेरकलकेचनधारी ८१ रोमावली
वनीआइनासिभ्रमसलगानरहहाई त्रिवलीनामधि
ललितरेखाजपुतिछविछाहि कटिपादेसस्ठ
रआधिकछविकिंकिनिराजे जानुपुटवनगरलफस१
तिललितविराजै ८२ नुपुरपुरटसुघारुरवित
मधिमानिकसोहे रकमलसासांगीतसनतप ७

ति जनमनमोहे ८२ जुगलस्रुरन्नु पदपद्म चि
न्हकुलिसादिकमंडित वद्यानीत्यनिकेतनशा र
णागतजनवनजयविडित ८३ हदीनननुजषारमन
गमहावनसुंदरराजे दिव्यायुधसुविशालवा
मकारधनुकविराजे ८५ षोडशावरषविकिशोरा
मतिनसुंदरराजै रामरूपकौनिरषिदिवाकर

बौरिकलाजै ६६ भ्रमताजगरघुविरधीरम्भ्रमनसुख
८ कारी रूपसचिदानंदवामदिग्राजनककुमारी ६७
नगानंजैजडेछविजेरोविविधिजुगात्रमसोहैसुद
रंभ्रगाउदारविदितवामीकरकोहै ६८ भ्रलकफल
कतास्यामपिठिसोजितकलवाली संदाताकीसी
वकियौराजतम्रालिश्रेणी ६९ रचितसविविधि ८

प्रकाशमागमगजनतारसस्रवारी ममकुंसुरसुरिधाव

नीसोजागमसजारी ५ पाटनकीलसोरवडेवडे

उज्जलमोती सघनविमरकेमध्यमनोहडगनकी

मोती ५१ रतनराचितमणिजटितसीसपरबिंदा १

भ्राजै ललितकपोलम्रसजुगलकरणिकाटं

कविराजै ५२ उज्जलभालसुचारुम्नमतउपमाम्न

२०
ससो है॥ राजतपरमसुहो गजाननकोजनवनकियौहो
॥४२॥ गोरोचनकोतिलकललितरेषावनिआवौवि
चतनासासुभगलसतवेसरसुभगसुहद्रि॥ ॥
भ्रकुटीनयनविशालसोमिचितवनिजगपावान
मानकुविसतकमलवदनमुसलगानसुहाव
ति॥४४॥ मुसनमधरारदसनपांतिमुसलगात
२०

सुहाई चारु चिबिक बिमनक बिंदु मेचक छबि छ
द्वि ५८ कंठपोति भ्रति ज्योति सुछबि मुक्तावरमा
ला पदिक रचित कलधौत राजात हृदय बिशा
ला ५९ हमतंतुक रिरचित मरुण सारी रगहीजी
कंचुकि चित्रित चतुर बिबिध मोजिन रगभानी ६०
बरश्रंगदछबि देत बाहु भ्रति लगत सुहादि १

१०
10

करनिचुरीरंगझरीललीतमुदरीवनीआई ५९ पद्म
रागमणिलालनीलजटितनकंकनजुगराजै मनकुवजनकै
कुलचुरेपछापेविनिविराजै ६० तिनपरपहुंचीअमल
लगतअतिपरमाविसेखैरूपकरकंचनआईबसीत्रि
भुवनछविरेखा ६१ लहंगाकटिपरदेसमोतिसो
जितअतिगहरी अरुणअसितसितपीतमथ

१०

तानातंगलहरी ६२ हरितनगानकारिजरीजुग
लजेहरिअसिसाजै तिनतरुयुबुरुओरअग्र
विछेयासुविराजै ६३ तिनरथरनगजअमो
लंललितचुनीगनलारा चरनचारुतलैंल
अरुणसहजहीलगनसुहारे ६४ अनुलि
नजुगलसरुपकोनअसउपामाजिनकि जैते

कउपमादिसमसांन्निकरिभाखन्ततिनकी ६५ येहि
११ विधिराजततरामअवधिपतिअवधिविहारी दंप
तिपरमउदारसुजनसेवकसुखकारी ६६ दवी
रानुजनतिपुदललनगोपितननतेउदारा कृजय
हेतअनुसारथरैव्रतअखंडिनधारा ६७ गेस
लियैकाछैव्रजनारतनलियेचवाडुरावै अति ११

लसुवनकरीजौरिप्रन्नुकीकीरनितउगावै ९८ ॥
ग्रपग्रपनीनिजैठोरनित्यपत्रिकरिमानित्रारी
सुनिषाकिविमालादिरहतनितग्रहाका
री ९९ जोजोजिहिमधिकारमिविवसेवा
मनञामे वीनाथरसुलानगानकारप्रनुहि
उपासे ७. येहिध्यानउरधरैसवपननसुप

लकोरेवा जवच्चनुवाननम्मादिवासनवेदहिम
१२ वदेवा ७१ यहृदपतिवरथ्यानरम्मिवकजननि
12 तिप्रतिथ्यावे रामकविनायहथ्यानम्मोरख
पपनेनाहिपावे ७२ म्रमलम्रमन्तरसधरा
मिवकजनडिहरमपागेनाकौनिरषिज्ञानजो
गरपछौद्रिलागे ७३ परमसारयहचासित १२

सुनत ग्रवनन ग्रघहारी ध्यानपरमकल्यानसंत
ननग्रानंदकारी ७४ सियारघुवरजरसिक
नहिमनग्रतिरुचीकारही बरमंजुलकाप
नखादलीराससनाथरही ७५ जिनहिंगुलि
नेजिवहहुकुटिलतापंकमलेतीनमन पद्
उज्जलमालिमालपहिरिहैपरमरसिकजन ९

७९ जगत हितकी कृपवर तिवहै कवन सुधिकुम
ति कहा अल्पसु ठौंत जानु कौन तिटवरैबुति ७७
कहा नाथ की ख्याति अखिलजल बीच समावै क
हु कवं मुख विपरौ ताहि लै आनद पावै ७८ सुनि
आगम विधी अर्थ कछु कजो मन हिसहायो य
हमंगाल करचान यथा मति वरनि सुनायो ७९

१३

२८ श्रीगुरुसंत नमन अनुग्रह हर हनन भ्रम सो पुरवासी रसि
17 कजनन हित कारण सह तय हूलादि प्रकासी ८०
ध्यानमंजरी नाम सुनत मन मोद बढावै श्रीरघु
वर को दास मुदित जन अग्र सो गावै इति श्री
स्वामि अग्रदास कृत ध्यानमंजरी संपूर्णः समा
प्तः ८१